

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

Anthropic ने लॉन्च किया सस्ता AI मॉडल Haiku 4.5, बढ़ाएगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पहुंच

Sanket Morankar

Published on 16 Oct 2025



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) स्टार्टअप **Anthropic** ने अपने सबसे छोटे AI मॉडल **Haiku** का नया संस्करण **Haiku 4.5** लॉन्च किया है। यह मॉडल उन्नत AI क्षमताओं को सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराकर तकनीक की पहुंच को व्यापक बनाने का प्रयास करता है। Anthropic के अनुसार, यह कदम उन व्यवसायों के लिए खास तौर पर फायदेमंद होगा जो बड़े और महंगे AI मॉडल नहीं चला सकते, लेकिन उन्नत AI सेवाओं का लाभ लेना चाहते हैं।

Anthropic का यह नया मॉडल AI बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कंपनी की अहम रणनीति का हिस्सा है। कंपनी की कुल आय का लगभग 80% हिस्सा कॉर्पोरेट क्लाइंट्स से आता है, जो बड़े और मध्यम पैमाने पर AI सेवाओं का उपयोग करते हैं। लेकिन Haiku 4.5 के जरिए Anthropic छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और उन संस्थानों तक AI पहुंचाना चाहता है जिनके पास भारी संसाधनों की कमी है।

Haiku 4.5 आकार में छोटा होने के बावजूद अपने प्रदर्शन में मध्य स्तरीय AI मॉडलों के बराबर है। यह मॉडल विशेषकर कोडिंग, टेक्स्ट जनरेशन, डेटा विश्लेषण और चैटबॉट निर्माण जैसे कामों के लिए उपयुक्त है। Anthropic का दावा है कि Haiku 4.5 का संचालन लागत कम होने के कारण छोटे पैमाने पर संचालन करने वाले संगठन भी इस तकनीक को आसानी से अपना सकते हैं।

Anthropic के सीपीओ माइक त्रिगर के मुताबिक,

“Haiku 4.5 ऐसे यूजर्स के लिए बना है जो उन्नत AI टूल की गुणवत्ता चाहते हैं, लेकिन बड़े मॉडल की उच्च लागत और संसाधन की आवश्यकता नहीं उठा सकते। यह मॉडल AI को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।”

Anthropic का यह कदम खासतौर पर भारत जैसे तेजी से बढ़ते हुए डिजिटल बाजार को ध्यान में रखकर उठाया गया है। भारत में कई स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थान और छोटे व्यवसाय AI तकनीकों को अपनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन महंगी सेवाओं के कारण उनकी पहुंच सीमित है।

Haiku 4.5 की लॉन्चिंग से भारतीय और अन्य विकासशील देशों में AI अपनाने की रफ्तार तेज हो सकती है। यह मॉडल सीमित बजट में उन्नत टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराकर डिजिटल क्रांति को और मजबूत करेगा।

Anthropic के अन्य मॉडल Opus और Sonnet के मुकाबले Haiku 4.5 की कीमत बेहद कम है, जिससे यह छोटे स्तर के उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त है।

जहां Haiku 4.5 कई फायदे देता है, वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे मॉडल में कुछ सीमाएं भी होती हैं। जैसे बड़े संदर्भ वाले टेक्स्ट का विश्लेषण या अत्यंत जटिल तर्क-आधारित कार्यों में यह सीमित हो सकता है। इसके अलावा, छोटे संगठनों के लिए इस तकनीक को प्रभावी ढंग से अपनाने के लिए तकनीकी समर्थन की आवश्यकता भी होगी।

फिर भी, Anthropic का यह प्रयास AI को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। आने वाले महीनों में Haiku 4.5 के क्षेत्रीय भाषाओं के समर्थन और सुरक्षा मानकों के साथ भी अपडेट आने की संभावना है।

Anthropic ने बताया है कि वे Haiku मॉडल की श्रृंखला में और उन्नयन और विविधता लाने की योजना बना रहे हैं ताकि यह विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हो सके। भारत जैसे तेजी से विकसित होते बाजार में Anthropic अपने उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय साझेदारों के साथ भी काम कर रहा है।

Anthropic का Haiku 4.5 मॉडल AI तकनीक के क्षेत्र में सस्ती और प्रभावी सेवा प्रदान करने का एक बड़ा कदम है। इस मॉडल के जरिए AI का लाभ अधिक से अधिक छोटे और मध्यम व्यवसायों, शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स तक पहुंचेगा। इससे भारत जैसे विकासशील देशों में तकनीकी विकास को नया आयाम मिलेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.